Title: Need to direct the Maharashtra Government to fix the reasable price of the cotton.

श्री उत्तमराव ढिकले : अध्यक्ष महोदय, दो दिन पहले महाराष्ट्र के किसानों ने एक रैली निकाली और उसमें कपास के दाम निर्धारित करने की मांग की। आप सब को मालूम है कि महाराष्ट्र में एकाधिकार योजना है। इसके अनुसार महाराष्ट्र के किसान राज्य से बाहर अपना कपास दे नहीं सकते। इसको लेकर महाराष्ट्र के सभी किसान चिंतित है। वहां ग्राहक नहीं हैं। मुझे यहां किसान की दर्द भरी कहानी बताते हुए शर्म आती है। महाराष्ट्र में किनवट और खामगांव नाम के गांव हैं। उस गांव के किसान अपना कपास लेकर मार्किट में गए। वे वहां लगातार सात-आठ दिन बैठे रहे लेकिन उन्हें ग्राहक नहीं मिले। इससे एक किसान चल बसा।

उसने जान छोड़ दी और कपास मार्किट में वैसी की वैसी रह गई। इसलिये मैं आपसे रिक्वैस्ट करूंगा कि महाराष्ट्र सरकार को डायरेक्शन्स दी जायें कि किसानों को कपास के लिये अच्छे भाव दे। दूसरी बात मैं सरकार से यह कहना चाहता हूं कि हम कपास आयात करते हैं, चीनी आयात करते है, सब्जियां आयात करते हैं, सब कुछ आयात करते है जिसका एक एग्ज़ाम्पल मैं अनार का देना चाहता हूं कि यह अफगानिस्तान से आता है ... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मि. बब्बन राजभर।

">

श्री मोहन रावले (मुम्बई दक्षिण-मध्य) : अध्यक्ष महोदय, महाराष्ट्र सरकार द्वारा कितना मिलता है? केन्द्रीय सरकार का बनाया हुआ दाम है लेकिन महाराष्ट्र सरकार नहीं दे रही है

... (व्यवधान)
..कपास का दाम महाराष्ट्र राज्य की भूतपूर्व शिवसेना-भाजपा सरकार ने २३०० रूपये दिया था । यह दाम मिलने के लिए केन्द्र सरकार महाराष्ट्र सरकार को आदेश दे ।">

">अध्यक्ष महोदय : मि. बब्बन राजभर।

">

">श्री मोहन रावले : महाराष्ट्र सरकार किसानों पर जुल्म कर रही है। कई किसानों की मृत्यु हुई है। महाराष्ट्र में कांग्रेस सरकार किसानों पर जुल्म कर रही है। मैं केन्द्रीय सरकार से विनती करता हूं कि महाराष्ट्र सरकार को आदेश दे। किसानों को भाव नहीं मिला है। भाव भी तय हुआ था। सोयाबीन का दाम ५५४ रूपये तय हुआ था।

">

">... (Interruptions)

">SHRI UTTAMRAO DHIKALE : Sir, I will complete in one minute. ...(Interruptions)

">MR. SPEAKER : I have allowed you. You are again disturbing the House.

">... (Interruptions)

">MR. SPEAKER : I do not understand this type of behaviour. You are again disturbing the House.

">ऐसा नहीं चलेगा। क्या सोच रहे हैं?

">

">श्री मोहन रावले : किसानों ने वहां मोर्चा निकाला है।

... (व्यवधान)
.. कॉटन मंत्री बैठे हुये हैं।

... (व्यवधान)
">